अब रंगों के आधार पर होगा ई-रिक्शा का संचालन

- शहर में सेक्टर कलर कोड व्यवस्था शुरू
- पुलिस कमिश्नर ने किया शुभारंभ
- 6000 से ज्यादा ई-रिक्शा का सेक्टर पंजीयन पूरा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस ने ई-रिक्शा संचालन में सेक्टर आधारित कलर कोड प्रणाली लागू कर दी है. मंगलवार को पुलिस कमिश्नर ने इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया. अब ई-रिक्शा अलग अलग जोन में निर्धारित रंगों के आधार पर संचालित होंगे. अब तक 6000 से अधिक ई-रिक्शा का सेक्टर रजिस्ट्रेशन पूरा हो चुका है.

नई व्यवस्था के तहत शहर को चार जोन में बांटकर प्रत्येक जोन के लिए अलग रंग तय किया है. जोन 1 के लिए नीला, जोन-2 के लिए पीला, जोन 3 के लिए लाल और जोन 4 के लिए सफेद रंग निर्धारित किया है, जिससे ई-रिक्शा की पहचान आसानी से हो सकेगी. ई-रिक्शा का सेक्टर आवंटन पहले आओ पहले पाओ आधार पर किया जा रहा है. जिन मालिकों के पास एक से अधिक ई-रिक्शा हैं, उनके वाहनों को अलग अलग जोन में बांटा जाएगा, ताकि किसी एक क्षेत्र में दबाव न बढ़े. पंजीयन के लिए निर्धारित प्रोफार्मा भी जारी किया है, जिसके अनुसार सभी चालकों को जानकारी भरकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी. इस दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर आरके सिंह, प्रभारी यातायात डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी सहित यातायात अधिकारी, बैटरी ई-रिक्शा संघ के अध्यक्ष राजेश बिडकर और चालक प्रतिनिधि मौजूद रहे.

> **सुरक्षित और पारदर्शी होगी व्यवस्था**
> प्रभारी यातायात डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी का कहना है कि इस व्यवस्था से शहर में ई-रिक्शा संचालन अधिक सुरक्षित, नियंत्रित और पारदर्शी होगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी. यातायात पुलिस ने सभी चालकों से नियमों का पालन करने और व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है.

पुलिस कमिश्नर ने आवेदकों से सीधे किया संवाद

- 68 शिकायतों पर दिए तत्काल निराकरण के निर्देश
- जनसुनवाई में लेनदेन और जमीन धोखाधड़ी के मामले ज्यादा पहुंचे

नव भारत न्यूज

इंदौर. कमिश्नर कार्यालय में हुई प्रति मंगलवार को की जाने वाली जनसुनवाई में 68 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें अधिकांश मामले पारिवारिक विवाद, आपसी झगड़े, पैसों के लेन देन, फ्रॉड और जमीन प्लाट संबंधी धोखाधड़ी से जुड़े हुए आए. पुलिस कमिश्नर ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए.

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए. महिला अपराध और सुनवाई न होने जैसी शिकायतें भी सामने आईं, जिन पर प्राथमिकता से कार्रवाई के निर्देश दिए. अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर आरके सिंह सहित सभी जोन के अधिकारी भी मौजूद रहे और आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनकर समाधान की प्रक्रिया शुरू कराई. इस दौरान पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

चौकी में युवक की मौत में पुलिस पर उठे सवाल, प्रभारी व सिपाही हटाए

- हिरासत में प्रताड़ना के लगे आरोप; जांच शुरू
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा चौकी में युवक श्रीराम झा की मौत के बाद पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. मामले में चौकी प्रभारी संजय धुर्वे और सिपाही योगेंद्र कोरव को हटा दिया है. परिजनों ने हिरासत में प्रताड़ना का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने मारपीट से इनकार किया है. वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

श्रीराम झा, मृतक

जानकारी के मुताबिक श्रीराम झा को वाहन चोरी के संदेह में चौकी लाया गया था. परिजनों का आरोप है कि दो दिन तक उसके साथ मारपीट की गई. रविवार को सादी वर्दी में पुलिसकर्मी उसे घर लाए थे, जहां उसने परिजनों को बताया कि उसके साथ मारपीट हुई और उसका अंगूठा भी ठीक से काम नहीं कर रहा. इसके बाद पुलिस उसे फिर अपने साथ ले गई.

इसी दौरान चौकी में उसने एसिड पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई. सोमवार को पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया था. परिवार का कहना है कि पुलिस उस पर एफआईआर दर्ज करने या जेल भेजने का दबाव बना रही थी, जिससे वह मानसिक रूप से टूट गया. वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक ने खुद एसिड पिया और उसकी तबीयत बिगड़ने से मौत हुई, मारपीट की बात गलत है. फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. वहीं परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई और दबाव के चलते उसने यह कदम उठाया.

> **इन बिंदुओं पर होगी जांच...**
> हिरासत के दौरान क्या हुआ?, शरीर पर चोट के निशान थे या नहीं?, चौकी में एसिड कैसे पहुंचा? वहीं परिजनों के आरोपों में कितनी सच्चाई हैं, इसके साथ ही पुलिस का कहना है कि युवक ने खुद एसिड पीया, मारपीट के आरोप निराधार हैं, जैसे बिंदुओं पर पूरी जांच की जा रही है.

मांगलिया क्षेत्र के तेल डिपो के सामने लगी आग

- रहवासियों को सुरक्षित निकाला
- तीन दमकल ने पाया काबू
- पेट्रोल-डीजल स्टॉक के चलते हाई अलर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर. मांगलिया स्थित तेल डिपो के सामने रुचि सोया की दुकान में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई. करीब 3.15 बजे सात्विक विहार के सामने भड़की आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं. संवेदनशील डिपो क्षेत्र होने के कारण पुलिस प्रशासन ने तत्काल अलर्ट जारी कर आसपास के रहवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया.

सूचना मिलते ही तीन दमकल मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. फायरकर्मियों ने जेसीबी की मदद से आसपास का हिस्सा हटाकर आग को फैलने से रोका. डिपो क्षेत्र में हजारों लीटर पेट्रोल डीजल का स्टॉक होने के कारण विशेष सतर्कता बरती गई. सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके के रास्ते बंद कर दिए और मुख्य मार्ग पर यातायात रोक दिया गया. इस दौरान तेल से भरे टैंकरों को डिपो के बाहर ही रोक दिया था. आग की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने आसपास के घरों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. आग लगने की जांच की जा रही है.

एक नजर में

द्वितीय जनगणना का प्रशिक्षण प्रारंभ

महू. नगर पालिका पीथमपुर द्वारा द्वितिय 21, 22 एवं 23 अप्रैल को द्वितीय जनगणना का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है. पाच फिल्ड ट्रेनरों द्वारा नगरीय क्षेत्र में 330 कर्मचारियो को नगर पालिका पीथमपुर के परिषद् हॉल में द्वितिय प्रशिक्षण प्रारंभकिया गया है. इसके अलावा 2 बैचो में प्रशिक्षण सभी कर्मचारियो को प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 अप्रैल तक चलेगा. इस संबंध में नगर के चार्ज अधिकारी श्री निशिकान्त शुक्ला द्वारा बताया गया की नगर पालिका पीथमपुर का भौगोलिक क्षेत्र बहुत अधिक होने से जिले में सब से ज्यादा प्रगणक ब्लॉक बनाये गये है. पीथमपुर नगर पालिका क्षेत्र में कुल 330 अधिकारीयो एवं कर्मचारियो को जनगणना में ड्युटी लगाई गई है. 16 जुलाई 2026 से 30 जुलाई 2026 तक आम नागरिको अपनी स्व. गणना मोबाईल, लेपटाप, आईपेड आदि से कर सकते है. सी.एम.ओ. निशिकान्त शुक्ला द्वारा पीथमपुर वासियो से अपील की गई है की इस अवधि में ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति अपने परिवार की स्व. गणना में भाग लेकर भारत सरकार के महत्वपूर्ण योजना में अपना सहयोग प्रदान करे. ज्ञात रहे की प्रगणको द्वारा 1 मई 2026 से घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं मकानो की गणना का कार्य करेगे। कृपया प्रगणकों को सभी नागरिक आवश्यक सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें.

महू-किशनगंज से सातेर रोड अधूरा, हादसों का खतरा

महू. किशनगंज से सातेर रोड का निर्माण कार्य पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे क्षेत्र के रहवासियों में भारी आक्रोश है. सड़क का केवल लगभग 100 मीटर हिस्सा ही सीमेंट-कंक्रीट से बनाया गया, जबकि शेष मार्ग को खोदकर छोड़ दिया गया है. इसके साथ ही सड़क किनारे एक बड़ा गड्ढा 20 फीट लंबा भी बना हुआ है, जो राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है. इस मार्ग पर डंपर, दुग्ध टैंकर, स्कूल वाहन सहित भारी यातायात लगातार बना रहता है. ऐसी स्थिति में किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका जताई जा रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, जो सीसी रोड बनाया गया है, उसका स्तर आसपास की जमीन से काफी ऊँचा है। इसके कारण पास स्थित रामसागर मंदिर में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है. इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है. इंद्रपुरी कॉलोनी में भी जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के समय जलभराव की स्थिति बन जाती है. इस मामले में आज पीडब्ल्यूडी के एसडीओ जादौन से चर्चा की गई। उन्होंने पुनः 5 से 10 दिनों के भीतर सड़क और जल निकासी की समस्या को ठीक कराने का आश्वासन दिया है। हालांकि, पूर्व में भी इसी प्रकार के आश्वासन दिए जा चुके हैं, जिन पर अमल नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि पूर्व में ठेकेदार द्वारा अधूरा कार्य छोड़कर भुगतान ले लिया गया था। इसके बावजूद अब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया है. स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हो रहा। क्षेत्र वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य पूरा कराया जाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं और जनसमस्याओं से राहत मिल सके.

दादा के साथ सकुशल मिला चार वर्षीय मासूम

- पलासिया पुलिस की 8 टीमों ने 12 घंटे में खोजा
- 3 किमी दूर मिले दोनों सुरक्षित

इंदौर. पलासिया थाना क्षेत्र की पीडब्ल्यूडी कॉलोनी से लापता हुए 4 वर्षीय बालक कृषु उर्फ हर्षल को पुलिस ने उसके दादा के साथ सकुशल ढूंढ लिया. बालक के गायब होने से परिजनों में हड़कंप मच गया था. अपहरण की आशंका के बीच पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्च ऑपरेशन चलाया और 12 घंटे के भीतर दोनों को सुरक्षित खोज निकाला.

परिजन शादी समारोह से लौटे तो बालक कृषु अपने दादा प्रभुदयाल यादव के साथ घर पर नहीं मिला. प्रभुदयाल मानसिक रूप से कमजोर हैं और उनके पास मोबाइल भी नहीं था, जिससे चिंता और बढ़ गई. सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की. थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में 8 टीमें गठित कर शहर के होटल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में सर्चिंग की गई. साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उनके मूवमेंट का पता लगाया गया. लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम घटना स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर पहुंची, जहां बालक और उसके दादा दोनों सुरक्षित मिल गए. आवश्यक कार्रवाई के बाद बालक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया.

सड़क पार कर रहे व्यक्ति को आयशर ने मारी टक्कर, अस्पताल ले जाते समय मौत

- नेमावर रोड पर हुआ हादसा, चालक वाहन सहित फरार

इंदौर. भंवरकुआं थाना क्षेत्र के नेमावर रोड पर सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार आयशर वाहन ने टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

मृतक की पहचान 42 वर्षीय दिलीप ठाकुर पिता बनेसिंह निवासी पालदा के रूप में हुई है. परिजनों ने पुलिस को बताया कि दिलीप किसी काम से नेमावर रोड गए थे और पैदल सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान सामने से आए तेज रफ्तार आयशर वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया. हादसे के बाद दिलीप गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और काफी देर तक तड़पते रहे. मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी. एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते समय उनकी हालत बिगड़ती गई और रास्ते में ही मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा और फरार वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है.

ढाबा कर्मचारी हत्याकांड में दो संदेही हिरासत में, पूछताछ जारी

- लसूड़िया क्षेत्र में सिर कुचलकर हुई थी हत्या
- सीसीटीवी से मिले सुराग, जल्द खुलासे के संकेत

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र में ढाबा कर्मचारी की सिर कुचलकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने दो संदेहियों को हिरासत में लिया है. दोनों से पूछताछ जारी है और पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने के संकेत दिए हैं.

दो दिन पहले स्कीम नंबर 136 स्थित एक पार्क से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था. जांच में मृतक की पहचान कड़वाजी दागौड़ के रूप में हुई, जो ढाबे पर काम करता था. बदमाशों ने उसकी सिर कुचलकर हत्या की थी. घटना के बाद से ही पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी.

फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया है. थाना प्रभारी तारेश सोनी का कहना है कि दोनों से पूछताछ कर वारदात के कारण और अन्य संभावित आरोपियों की जानकारी जुटा रही है. प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे आपसी रंजिश या अन्य कारणों की पड़ताल की जा रही है. जल्द ही मामले में बड़ा खुलासा किया जाएगा.

बेहतर पुलिसिंग पर एसीपी व थाना प्रभारी सम्मानित

- मार्च मूल्यांकन में एसीपी मल्हारगंज व थाना चंदन नगर अव्वल, कमिश्नर ने दिए प्रशस्ति पत्र

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में बेहतर पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण को लेकर लागू मूल्यांकन प्रणाली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया. मार्च माह के मूल्यांकन में एसीपी मल्हारगंज और थाना चंदन नगर ने पहला स्थान हासिल किया.

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में जनवरी से पुलिस थानों और एसीपी कार्यालयों की कार्यप्रणाली का मासिक मूल्यांकन किया जा रहा है. इसमें विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर कार्यों की समीक्षा कर रैंकिंग तय की जाती है. मार्च माह के परिणाम में सभी 12 एसीपी कार्यालयों में एसीपी मल्हारगंज प्रथम रहे, जबकि थानों में चंदन नगर ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया. मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर ने एसीपी मल्हारगंज विवेक सिंह चौहान, थाना प्रभारी तिलक करोले और चंदन नगर के पुलिस स्टाफ को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वालों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं कमजोर प्रदर्शन वाले थानों व अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर सुधार की दिशा में काम किया जा रहा है.

पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ेगी: पुलिस कमिश्नर का कहना है कि मूल्यांकन प्रणाली से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को आगे भी इसी तरह प्रोत्साहित किया जाता रहेगा.

एक नजर में — वार्ड क्रमांड 61 के रावजी बाजार क्षेत्र में रहवासी स्वास्थ्य को लेकर चिंतित

नई लाइन डालने के बाद भी नलों में आ रहा दूषित पानी

इंदौर. शहर में आज भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां वर्षों पुरानी पाइपलाइनें बदलने के बावजूद नर्मदा जल आपूर्ति व्यवस्था दुरूस्त नहीं हो पाई है. कई इलाकों में दूषित पानी घरों तक पहुंच रहा है जिससे लोगों में स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है. भागीरथपुरा जैसी घटनाओं के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है.

दूषित पानी को लेकर जूनी इंदौर क्षेत्र के रावजी बाजार से मामला सामने आया है. वार्ड क्रमांक 61 में पड़ने वाले इस क्षेत्र की गली नंबर एक और दो में पिछले कई वर्षों से दूषित पानी की समस्या बनी हुई है.

क्षेत्र में प्रतिदिन आधे घंटे पानी पहुंचता है जिसमें तकरीबन 10 मिनट पानी पूरी तरह से दूषित होता है. बाकी समय जो पानी क्षेत्रवासी को मिलता है उसे पर भी संदेह बना रहता है. एक सदी पुराने रावजी बाजार गली नंबर एक और दो में आज भी कई घरों में कुएं मौजूद हैं जिससे पानी की अपूर्ति हो जाती है. नर्मदा लाइन से मिलने वाला पानी दूसरे कामों के उपयोग में लिया जाता है. हालांकि क्षेत्र में अमृत योजना के तहत नई लाइन डालने कार्य हुआ है लेकिन उसमें भी कुछ ही जगह पानी सप्लाई हो रहा है और उसमें भी दूषित पानी की शिकायत दूर नहीं हुई.

पड़ताल में यहां भी पता चला है कि क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से अब तक अलग-अलग समय में नर्मदा की लाइन डाली जा चुकी है लेकिन हर बार नई लाइन डालने के बावजूद दूषित पानी से छुटकारा नहीं मिल पाया.

इनका कहना है...

पानी की किल्लत नहीं है लेकिन जो दूषित पानी नर्मदा लाइन से आता है अगर वह पानी भी शुद्ध मिले तो वह भी उपयोग में लिया जा सकता है. इससे पानी की बर्बादी नहीं होगी. – राजेंद्र वर्मा

टंकी से गंदा पानी नहीं आता. कई जगह पुरानी लाइनों में चेंबर का पानी मिल जाता है. क्षेत्र में डाली गई पुरानी लाइन को तुरंत बंद करना चाहिए और नई लाइन से ही सप्लाई करें. – कमल यादव

एक दो घरों में नहीं पूरे क्षेत्र में लगातार दूषित पानी आता है. ऐसे में उपयोग करने वाले पानी से कई तरह की बीमारियों का भय बना रहता हैं. इसके लिए लीकेज पॉइंट चेक करना चाहिए.

– तनिष्क जोशी